**भारत सरकार**

**वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय**

**उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 2958**

**मंगलवार, 18 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

# राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत औद्योगिक पार्क

**2958. श्री राजीव प्रताप रूडीः**

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बजट 2024-25 और 2025-26 में उल्लिखित राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कितने औद्योगिक पार्क स्वीकृत किए गए हैं;

(ख) इन स्वीकृत औद्योगिक पार्कों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार स्थान का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इनमें से कोई औद्योगिक पार्क बिहार में स्थित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) रोजगार और आर्थिक अवसरों के संदर्भ में इन औद्योगिक पार्कों से कितने लोगों को लाभ मिलने की संभावना है; और

(ङ) क्या इनके कार्यान्वयन में कोई देरी हुई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण है?

**उत्तर**

**वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(श्री जितिन प्रसाद)**

**(क) और (ख)**: बजट घोषणा 2024-25 के अनुसार, राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत बारह औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को भारत सरकार द्वारा अगस्त, 2024 में अनुमोदन प्रदान किया गया है, जिसकी कुल परियोजना लागत 28,602 करोड़ रुपए (भूमि लागत सहित) है। इन औद्योगिक स्मार्ट सिटी की परिकल्पना, प्लग एंड प्ले सुविधा के साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप विनिर्माण और निवेश केंद्रों को बढ़ावा देने, वॉक-टु-वर्क अवधारणा वाले स्मार्ट सिटी और मांग से पहले सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली अवसंरचना का निर्माण करने के लिए की गई है। इन अनुमोदित औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना स्थलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार जानकारी **अनुबंध** में दी गई है। बजट 2025-26 में, प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्कों के लिए 2,500 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं।

**(ग)**: अमृतसर कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर (एकेआईसी) के भाग के रूप में, बिहार राज्य में गया स्थित एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी), अनुमोदित बारह औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में से एक है। इस परियोजना की कुल लागत 1339.02 करोड़ रुपए है। इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए दिनांक 12 नवंबर, 2024 को बिहार सरकार के साथ राज्य सहायता समझौता और शेयर होल्डिंग समझौता निष्पादित कर लिया गया है तथा दिनांक 6 जनवरी, 2025 को बिहार इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिटी गया लिमिटेड (बीआईएमसीजीएल) नामक कंपनी को विशेष प्रयोजन माध्यम के रूप में निगमित किया गया है।

**(घ) और (ङ):** डीपीआर के अनुसार, इन औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की रोजगार सृजन क्षमता लगभग दस लाख है। इन औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में किसी प्रकार का विलंब नहीं हुआ है।

*****

**अनुबंध**

**दिनांक 18.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा प्रश्न संख्या 2958 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

| क्रम. सं. | औद्योगिक स्मार्ट सिटी परियोजना का नाम | कॉरिडोर का नाम | राज्य |
|---|---|---|---|
| 1 | आईएमसी राजपुरा पटियाला | अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर (एकेआईसी) | पंजाब |
| 2 | आईएमसी हिसार | | हरियाणा |
| 3 | आईएमसी खुरपिया फार्म | | उत्तराखंड |
| 4 | आईएमसी आगरा | | उत्तर प्रदेश |
| 5 | आईएमसी प्रयागराज | | |
| 6 | आईएमसी गया | | बिहार |
| 7 | दिघी पत्तन औद्योगिक क्षेत्र | दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी) | महाराष्ट्र |
| 8 | जोधपुर पाली मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र | | राजस्थान |
| 9 | जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र | हैदराबाद- नागपुर औद्योगिक कॉरिडोर (एचएनआईसी) | तेलंगाना |
| 10 | ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र | हैदराबाद - बेंगलुरु औद्योगिक कॉरिडोर (एचबीआईसी) | आंध्र प्रदेश |
| 11 | कोप्पार्थी औद्योगिक क्षेत्र | वाईजैग-चेन्नई औद्योगिक कॉरिडोर (वीसीआईसी) | |
| 12 | पलक्कड़ औद्योगिक क्षेत्र | चेन्नई - बेंगलुरु औद्योगिक कॉरिडोर (सीबीआईसी) का विस्तार | केरल |

*****